यूपी में पेराई नवंबर से, बढ़ेगा उत्पादन

बीएस संवाददाता/एजेंसियां
नई दिल्ली, 29 अक्टूबर

ज्यादा उत्पादन से चीनी की कीमतों में रह सकती है नरमी

यह उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर हो सकती है, लेकिन चीनी मिलों के लिए नहीं। चीनी उत्पादन विपणन वर्ष 2014-15 में करीब 255 लाख टन रहने का अनुमान है, जो चालू सीजन से करीब 4 फीसदी ज्यादा है। राष्ट्रीय उत्पादन के इस अनुमान पर प्रमुख उत्पादक राज्यों के गन्ना आयुक्तों और केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के बीच आज तीन घंटे तक चली बैठक के बाद पहुंचा गया।

ज्यादा उत्पादन का मतलब है कि चीनी की कीमतें नरम रहेंगी और मिलों पर गन्ने की बकाया राशि बढ़ेगी। इससे सरकार के पास कच्ची चीनी के निर्यात पर फिर प्रोत्साहन शुरू करने की गुंजाइश होगी। चीनी मिलों की कमजोर प्रतिक्रिया की वजह से निर्यात प्रोत्साहन को बंद कर दिया गया है।

खाद्य सचिव सुधीर कुमार ने संवाददाताओं को बताया, 'उत्तर प्रदेश की मिलों ने राज्य के गन्ना आयुक्त को यह आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही पेराई शुरू करेंगी।' उन्होंने इस साल के चीनी उत्पादन के बारे में कहा, 'किल्लत की स्थिति पैदा नहीं होगी। उत्पादन पिछले साल की तुलना में कुछ लाख टन ज्यादा रहेगा।' अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन 91 लाख टन, उत्तर प्रदेश में 62 लाख टन और कर्नाटक में 42.5 लाख टन अनुमानित है। गन्ना आयुक्तों का यह अनुमान भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के अनुमान के बराबर ही है। इस्मा ने भी उत्पादन 250 से 255 लाख टन रहने का अनुमान जाहिर किया था।

उत्तर प्रदेश के गन्ना आयुक्त सुभाष चंद ने कहा, 'पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ सहकारी और निजी मिलें 10 नवंबर से पेराई चालू करेंगी, जबकि अन्य नवंबर के तीसरे सप्ताह से अपनी फैक्टरियों को चालू करेंगी।' उन्होंने कहा कि हुदहुद तूफान की वजह से राज्य के कुछ हिस्सों में गन्ने की कटाई में थोड़ी देरी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस साल 119 मिलें चलने की उम्मीद है।

बिजनेस स्टैंडर्ड
30/10/14